ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

वैष्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय संस्कृति, साहित्य एवं समाज
भारत एवं नेपाल के राजनीतिक संबंध–

DR. RAKESH KUMAR RAM.
MA, Ph.D (Pol.Sc)
B.Ed., MA in Edu.
{ UGC NET-JUN 2019
APS (AWES)-2018
STET & CTET-2012 }
Qualified

भारत और नेपाल के बीच संबंध प्राचीन कालीन है। दोनों के बीच महात्मा बुद्ध (शाक्यवंष), सम्राट अषोक एवं चन्द्रगुप्त मौर्य से लेकर आजादी के 75 वर्षो के बाद भी प्रासंगिक है। दोनों पड़ोसी है, दोनो की सामाजिक एवं ऐतिहासिक स्थिति में काफी प्रगाढ़ता है। बहुत ऐसे नेपालीमूल के लोग है जिन्हे भारतीय नागरिकता प्राप्त है। नेपाली भाषा भारत की कार्यालयी एवं संविधान में वर्णित भाषा है। यहाँ के लोग भारत में स्वतंत्रता संग्राम के सहभागी थे। नेपाली बाहुल्य राज्य उतराखण्ड, असम, हिमाचल प्रदेष, मणिपुर, मेघालय, सिक्किम एवं बिहार है, साथ ही शहर दिल्ली, कोलकाता, बैंगलुरू, मुम्बई, चेन्नई, हैदरावाद और विषाखापटनम आदि है। इस प्रकार भारत और नेपाल के बीच राजनीतिक संबंध मधुर होना स्वाभाविक है। भारत ने विष्व व्यवस्था के आधुनिक ढ़ाचे में खुद को समायोजित करने हेतु अपनी विदेष नीति को काफी लचीला एवं अनुकूलनषील बनाया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पष्चात विदेष नीति के रूप में गुटनिरपेक्षता, शांतिपूर्ण सह अस्तित्व, पंचषील, साम्राज्यवाद एवं रंग–भेद विरोधी तथा संयुक्त राष्ट्र का समर्थन एवं सहयोग को अपनाया है।

जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्रीत्व काल (1947–64) में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के अग्रणी, नि:शस्त्रीकरण की अपील, सम्राज्यवाद,

Copyright ⓒ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

रंग–भेद विरोधी दृष्टिकोण एवं शांतिपूर्ण मित्रवत संबंध के लिए विष्वव्यापी पहचान बनाई है। आजादी के तत्काल बाद भारत सरकार ने महाराजा त्रिभुवन को राणाषाही के कब्जा से छुड़ाया।

नेपाल की भौगौलिक स्थिति ऐसी है कि भारत और चीन के बीच भू–राजनीतिक संतुलन बनाये रखना आवष्यक है। बी0पी0 कोइराला और अन्य नेताओं के साथ नेहरू तथा अन्य कांग्रेसी एवं समाजवादी नेताओं का सम्बंध संतोषजनक रहा है। 1950 के दषक में भारत–चीन संबंधो में तनाव बढ़ने के साथ राजा महेन्द्र की महत्वाकांक्षा बढ़ने लगी। 1950 वाली संधि में नेपाली शासको ने संषोधन कराना शुरू किया जिससे भारत के अपेक्षा चीन की ओर आकर्षण
बढ़ा। इस संधि के नवीकरण में नेपाल ने काफी आपत्ति की। हालाकि नेपाल ने अपने देष के निर्मित वस्तु न भेजकर विदेषी वस्तुओं पर अपनी मुहर लगाकर भेजना शुरू किया जिससे भारत को काफी आर्थिक क्षति हुई। जिसके कारण भारत और नेपाल के बीच सहयोग की संभावना कम हो गई।

भारत की चिंता– नेपाल में चीनी गतिविधियों खासकर 1962 के बाद नेपाल ने चीन को काठमांडू से केदिरी राजमार्ग और तराई में पूर्व से पष्चिम तक राजमार्ग के निर्माण का प्रस्ताव स्वीकार किया जिससे भारत की चिन्ता स्वाभाविक थी क्योंकि चीन एक सीमा विस्तारवादी देष है जो अपनी सभी पड़ोसी देषों में अतिक्रमण, विस्तार एवं नकली सामानो का प्रवाह करता है। चीन की पहुँच के कारण एषिया के छोटे से देष तिब्बत की सम्प्रभुता समाप्त हो गयी है। महाराज महेन्द्र के प्रधानमंत्री तुलसी गीरी भारत विरोधी स्वभाव के थे। उन्होने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का विरोध किया। भारत और नेपाल के बीच तनाव का कारण विदेषी तत्वों की घुसपैठ ज्यादा रही है। चीनी, पाकिस्तानी, अलगाववादी, आतंकवादी एवं उग्रवादियों ने नेपाली भूमि का उपयोग भारत की आर्थिक, राजनैतिक एवं सुरक्षा को नुकसान पहुँचाने के लिए किया है। जिसके उदाहरणः–

1. जनवरी 2000 में विमान अपहरण है।
2. भारतीय नोटों का नकलीकरण किया जाता है।
3. मादक पदार्थो की तस्करी की जाती है।
4. चाईना रेडियों इंटरनेषनल ने काठमांडू में रेडियो

Copyright ⓒ 2020 Authors

स्टेषन खोला जिसका प्रसारण पूरे नेपाल में किया जाता है जिसमें भारत विरोधी दुष्प्रचार किया जाता है।

नदी जल विवादः–

भारत और नेपाल के बीच नदी जल विवाद घटते–बढ़ते रहे हैं। कोषी बांध निर्माण के समय असंतोष उत्पन्न हुआ था जिसे बिजली का लाभ और बाढ़ एवं जलजमाव की क्षतिपूर्ति देकर संतुष्ट किया गया। यही
स्थिति महाकाली नदी पर पंचेष्वर बांध बनाने के क्रम में उत्पन्न हुई थी। भारत सरकार वर्षो से अर्न्तराष्ट्रीय कानून द्वारा तय सुविधा से अधिक
सहायता प्रदान करती रही है।
उपर्युक्त भारत विरोधी षडयंत्र नेपाली नागरिक नहीं करते है लेकिन इनके आड़ में कन्धार–काबुल के कट्टरपंथी, पाकिस्तानी गुप्तचर, चीनी एवं कुछ बेहद स्वार्थी भारतीय भी करते है। इनकी अनदेखी से नेपाल एवं भारत दोनों को नुकसान होता है।

नेपाल में शाही हादसा, सत्ता परिवर्तन और माओवादीः– अचानक महाराजा विरेन्द्र के सपरिवार को हत्या कर दी गई, जिससे ज्ञानेन्द्र को उत्तराधिकारी दी गई जो भारत को विरोधी समझते थे और
जनतांत्रिकरण के विरोधी थे। इनके समय भारत और नेपाल के संबंध तनावग्रस्त रहे। नेपाली माओवादी भारत में सक्रिय उग्रवादियों को मदद और शरण देते रहे है। नेपाल में सत्ता परिवर्तन, गणतंत्र की स्थापना एवं जनतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली को सफल बनाने का प्रयास चल रहा है जिसमें नेपाल के माओवादी एवं जिम्मेदार राजनेता अपनी भूमिका निभाए। भारत का राष्ट्रीय हित अमेरिकी सामरिक परिभाषा के अनुसार नेपाल पर कभी नहीं थोपा जा सकता है। नेपाली माओवादी अपने राष्ट्रहित में शांतिपूर्ण जनतांत्रिक क्रांति का सूत्रपात करें ताकि शीघ्र नेपाल में स्थिरता और शांति बहाल हो, आर्थिक विकास तेज हो तथा सामाजिक
विषमता कम हो सके।

SAARC- THE SOUTH ASIAN ASSOCIATION FOR REGIONAL CO-OPERATION

ksl– दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क)
सार्क की स्थापना 7–8 दिसम्बर 1985 को ढ़ाका में हुई। इसका

 Copyright ⓒ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

मुख्यालय काठमांडू बनाया गया। इसके सदस्य 7 देष हैं– भारत, नेपाल, पाकिस्तान, बांगलादेष, भूटान, श्रीलंका एवं मालदीव है। इसका मुख्य उदेष्यः–

1. दक्षिण एषिया की जनता के कल्याण और उनके जीवन स्तर में सुधार करना।
2. दक्षिण एषिया के देषों में सामूहिक आत्मनिर्भरता में वृद्धि करना।
3. क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक विकास में तेजी लाना।
4. आपसी सूझ–बूझ तथा एक दुसरे की समस्या का मूल्यांकन करना।
5. आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्रो में सक्रिय सहयोग एवं पारस्परिक सहायता में वृद्धि करना।
6. अन्य विकासषील देषों के साथ सहयोग में वृद्धि करना।
7. सामान्य हित के मामलो पर अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर आपसी संबंध मजबूत करना।

दक्षेष (सार्क) राष्ट्रों के पारस्परिक आर्थिक लाभ के लिए स्वतंत्र व्यापार समझौता साफटा ँ(जिं) 1 जनवरी 2006 से प्रभावी है।

जूलाई–अगस्त 2000 में नेपाल के प्रधानमंत्री गिरजा प्रसाद कोइराला भारत की यात्रा की। 1700 किलोमीटर की सीमा प्रबंधन तथा सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास तथा जलसंसाधनों के उपयोग पर सहयोग और द्विपक्षीय संस्थागत तंत्रों का नेटवर्क तैयार किया। उन्होने भारत–नेपाल के संबंधो की व्यापक समीक्षा की जिसमें 6 अक्टूबर 2004 को पंचेष्वर परियोजना विषेषज्ञों के संयुक्त दलकी बैठक, 7–8 अक्टूबर 2004 को सुरक्षा मसलों से सम्बद्ध भारत–नेपाल द्विपक्षीय परामर्षीय समूह की बैठक, जल संसाधनों से सम्बद्ध संयुक्त समीति, 01–02 नवम्बर 2004 को सचिव स्तर की दूर संचार समन्वय बैठक, संयुक्त सचिव स्तर की व्यापार बातचीत और 19–20 जनवरी 2005 को गृह सचिव स्तर की वार्ता हुई है।

राजषाही की समाप्ति वर्ष 2007 में एवं संविधान सभा का चुनाव 2008 के बाद नेपाल में गणतंत्र स्थापित हुआ है। अब नये सिरे से भारत नेपाल संबंध कायम हुआ है। श्री पुष्प कुमार दहल प्रचंड की अगुआई में माओवादियों की सरकार बनी है लेकिन भारत के साथ उनकी राजनीतिक सोच उपयुक्त साबित नहीं हुई है। 4 मई 2009 को भारतीय मूल के माधव कुमार प्रधान मंत्री बने। 20–23 अक्टुबर 2011 को प्रधानमंत्री डॉ0 बाबू राय भटराई ने उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल के

Copyright ⓒ 2020 Authors

साथ भारत की यात्रा की जिसमें एमीनेन्ट पर्सन्स ग्रुप स्थापित की गयी, जो भारत–नेपाल संबंध पूर्णता में देखेगा तथा इनके संबंधो को मजबूत एवं विस्तारित करने का विकल्प तैयार करेगा। दोनों के बीच द्वितीय निवेष प्रोटेक्षन एवं संवर्द्धन समझौता ठप्च्द्व। हुआ जिसमें आयात–निर्यात बैंक के मध्य 250 मिलियन अमेरिकी डालर की साख उपलब्ध कराने की सहमति है साथ ही भारत सरकार नेपाल में घेंघा नियंत्रण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 1.875 करोड़ रूपये अनुदानित किया।

भारत–नेपाल आर्थिक सहयोग कार्यक्रम में लगभग 400 प्राजेक्ट चल रहे है। भारत सरकार तराई क्षेत्र में चेक पोस्ट, क्रास बोर्डर, रेल लिंक, फीडर रोड तथा पार्ष्विक सड़को के विकास जैसे आधारभूत संरचनाओं के विकास करने में सहायता प्रदान कर रही है।

वर्त्तमान संबंध– नेपाल के वर्त्तमान प्रधानमंत्री फरवरी 2016 से के0पी0 ओली ने पद संभालते ही भारत का परंपरागत दौरा किया साथ ही भारतीय प्रधानमंत्री ने अपने शपथग्रहण समारोह में अपने पड़ोसी देषो को बुलाकर नये सिरे से संबंध स्थापित किया। पिछले वर्ष भारत–नेपाल को जोड़ने के लिए सड़कों पर भारत ने 5253 करोड़ की परियोजना की घोषणा की।

प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता में आने के बाद पहले पड़ोस की नीति के मद्देनजर नेपाल का प्रारंभिक विदेषी दौरा था।

इससे पहले आखिरी बार 1997 में नेपाल के साथ द्विपक्षीय वार्त्ता हुई थी। 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नेपाल में सार्क देषों के षिखर सम्मेलन में भाग लिया था।

संबंधो का महत्वः–

भारत नेपाल के लिए सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत पूर्वी राज्यों के लिए नेपाल से हाइड्रो–इलेक्ट्रिक उर्जा खरीदता है। नेपाल भी भारत से बिजली क्रय करता है। नेपाल का व्यापार काफी महत्वपूर्ण है। भारत और नेपाल के सीमा पर हो रहे अपराध, तस्करी, उग्रवाद एवं अन्य षडयंत्र को
मिल बैठकर संयुक्त प्रयास से रोकने की आवष्यकता है।

➢ सितम्बर 2015 में नेपाली संविधान लागू हुआ लेकिन मधेसीयों के नागरिकता को लेकर भारत और नेपाल के बीच मत्भेद हुआ।

 Copyright ⓒ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-1 No. 3 January–December 2020

➢ बिहार के रक्सौल और काठमांडु के बीच सामरिक रेलवे का निर्माण किया जाएगा।

➢ मोतीहारी से नेपाल के आमेलखगंज तक ऑयल पाईप लाईन बिछाने पर
सहमति बनाई गई।

➢ भारत नेपाल की प्राकृतिक आपदाओं की घड़ी में हमेषा सहयोग पूर्ण पड़ोसी धर्म निभाते रहा है। फिर भी भारत और नेपाल
को अपनी गरीबी, बेरोजगारी, अषिक्षा, कुपोषण तथा अन्य समाजिक बुराईयो की दूर कर अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर एक मजबुत और सहयोगी राष्ट्र
के रूप में उभड़ने की जरूरत है।

संदर्भः–

1. राजनीति विज्ञान, ओ0पी0 गुप्ता, रमेष पब्लिषिंग हाउस ।
2. राजनीति विज्ञान, अषोक कुमार, उपकार प्रकाषन।
3. प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) ऐच्छिक विषय (राजनीति विज्ञान) उपकार प्रकाषन।
4. 21वीं शताब्दी में अन्तर्राष्ट्रीय संबंध, पुष्पेष पंत, M.c Graw-Hil Company.

Copyright ⓒ 2020 Authors